फतुहा-इस्लामपुर लाइट रेलवे

454. **श्री चन्द्रदेव प्रसाद वर्मा :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बिहार के पटना जिले में फतुहा-इस्लामपुर लाइट रेलव के कर्मचारियों अथवा कामगरों को समय पर भुगतान करने के लिए रेलवे बोर्ड अनुदान के रूप में लाखों रुपए खर्च कर रहा है ;

(ख) क्या यह सच है कि फतुहा-इस्लामपुर लाइट रेलवे बन्द हो गई है अथवा सरकार से समय-समय पर अनुदान प्राप्त करने के लिए आंशिक रूप से चलती है ;

(ग) यदि हां, तो सरकार द्वारा उक्त अनुदान बन्द न करने के क्या कारण हैं और उक्त रेलवे के कर्मचारियों को भारतीय रेलवे में न मिलाने के कारण क्या हैं ;

रेल मंत्रालय में उप मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) रेल मंत्रालय लाइट रेलवे कम्पनी को उनके साथ हुए करार के अनुसार कम्पनी को देय वार्षिक आर्थिक सहायता की रकम का ही भुगतान करता है । करार में यह उल्लेख है कि केन्द्र सरकार को लाइट रेलवे की कुल प्राप्तियों के साथ-साथ प्रदत्त पूंजी पर 3.5 प्रतिशत की दर से ब्याज के बराबर रकम कम्पनी को भुगतान करनी है । पिछले कुछ वर्षों में, यह भुगतान इस प्रकार किया गया है : —

वर्ष	रकम
1976–77	6.69 लाख रुपये
1977–78	6.69 लाख रुपये
1978–79	11.23 लाख रुपये
1979–80	12.22 लाख रुपये

जैसा ऊपर कहा गया है आर्थिक सहायता का भुगतान करने के लिए केन्द्र सरकार की दायिता सीमित है, लाइट रेलवे के कर्मचारियों को मजूरी/वेतन का भुगतान लाइट रेलव से सीधा सम्बन्धित है और केन्द्र सरकार को सामान्यत: इसमें कुछ नहीं करना होता । लेकिन, यदि मजूरी/वेतन का भुगतान करने में देरी के सम्बन्ध में श्रम आयुक्त और अन्य एजेंसियों से शिकायतें मिलती हैं तो केन्द्र सरकार आर्थिक सहायता देते समय लाइट रेलवे कम्पनी को सबसे पहले मजूरी/वेतन का भेगतान करने के लिए कहती है ।

(ख) फतुहा-इस्लामपुर लाइट रेलवे कार्यरत है और इस खंड में एक जोड़ी मिली-जुली गाड़ी चलती है । जैसा कि उपर्युक्त भाग (क) के उत्तर में स्पष्ट किया गया है, अर्थिक सहायता का भुगतान करार के अनुसार किया जाता है ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता, क्योंकि करार के अनुसार, केन्द्र सरकार का दायित्व केवल आर्थिक सहायता का भुगतान करने तक सीमित है ।

Repatriation of Indians from Iran and Iraq

455. SHRI K. PRADHANI: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have sent special team to help repatriate Indians to Kuwait, Basra and Jordan in view of the Iran-Iraq War;

(b) whether it is also a fact that the Indian doctors on deputation to hospitals located in war-ravaged areas in Iran have not left their posts and at great personal risk are looking after the wounded; and